प्रकाशक की ओर से

वसंत के आगमन के साथ ही स्वाभाविक है कि हम पृथ्वी, हमारे ग्रह और इसके नवीकरण और पुनर्जन्म की आश्चर्यजनक शक्तियों के बारे में सोचें। बहुत से अमेरिकियों के लिए छोटे, ठंडे दिनों और धूसर आसमान के बाद वसंत का लौटना राहत भरा अहसास कराता है। भारत में हम अमलतास के वृक्षों के चमकीले पीले बौरों को देखकर हर्षित होते हैं, लाल बुलबुलों को शोरशराबे के बीच घोंसला बनाते देखने का आनंद लेते हैं और शीतल सुबह और शाम का मज़ा लेते हैं। प्रकृति की इन्हीं लयों के चलते ही पर्यावरण की चिंता करने वाले अमेरिकियों ने पृथ्वी दिवस मनाने के लिए पिछले 40 साल से अप्रैल के आखिर में इसी मौसम को चुना है।

यह जमीनी आंदोलन 1970 में शुरु हुआ जब बड़े शहरों और छोटे कस्बों के अमेरिकियों ने रिसाइक्लिंग अभियान आयोजित किए, पानी की स्वच्छता के अभियान चलाएं, वायु प्रदूषण के बारे में लोगों को जाग्रत किया, पिकनिक के ऊर्जा बचाने वाले तौरतरीके तलाशे और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने वाले मनोरंजक मेले आयोजित किए। उसी समय हमने इस बात पर व्यक्तिगत, स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा शुरू की कि प्रदूषित कचरे को कम करने के लिए क्या चुनाव किया जाए और प्रदूषण फैलाने वाले उत्पादों का इस्तेमाल बंद किया जाए। हमने यह सीखना भी शुरू किया कि बत्तियां बुझाने और कबाड़ को इस्तेमाल करने के व्यक्तिगत फैसलों का हमारे पार्क क्षेत्रों और नदियों की स्वच्छता पर सीधा असर पड़ सकता है। हर साल वसंत में विमैन हिस्ट्री मंथ भी मनाया जाता है। इस साल इसमें अमेरिकियों ने ''उन महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया है जिन्होंने इस ग्रह को बचाने में अग्रणी भूमिका अदा की।'' आवरण पृष्ठ पर एन एल्टमैन की कलाकृति में महिलाओं को पौधों, प्राणियों और बच्चों के संरक्षक के तौर पर दिखाया गया है। लुइस फेनर ने अपने एक लेख में उन महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला है जिन्होंने लैंडस्केपिंग में जैवविविधता को बढ़ाया दिया है, स्कूलों के बगीचों का इस्तेमाल बच्चों को स्वास्थ्यवर्द्धक लंच देने में किया है, लड़कों और लड़कियों को विज्ञान को कॅरिअर के तौर पर चुनने और पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया है।

जेन वार्नर मल्होत्रा द्वारा लिखित आवरण कथा, ''हरियाली के रूप अनेक'' में इस विविध दृष्टिकोण की झलक मिलती है। इसमें बताया गया है कि कैसे अमेरिकी पृथ्वी दिवस मनाते हैं, एक-दूसरे को शिक्षित करते हैं, और व्यक्तिगत चयन से कैसे पर्यावरण बचा सकते हैं। ''पर्यावरण हितैषी संगीत'' लेख में ऋचा वर्मा ने अमेरिकी बैंड सोलर पंच का इंटरव्यू किया है। यह बैंड इलेक्ट्रिक कार और जैव-ईंधन वाली बस से पूरे भारत में घूमा और सौर ऊर्जा चालित संगीत उपकरणों का इस्तेमाल किया। बैंड के उद्देश्य को अमेरिकी दूतावास और अन्य भारतीय और अमेरिकी दानदाताओं का समर्थन मिला।

अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा कहते हैं, ''हमारी सुरक्षा, हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे ग्रह के लिए बदलाव लाने का हममें साहस और प्रतिबद्धता होनी चाहिए।'' उन्होंने वादा किया है कि अमेरिका विश्वव्यापी गर्मी से मुकाबले में अगुआ बनेगा, ऊर्जा की खपत में कमी लाएगा और आयातित तेल पर अपनी निर्भरता कम करेगा। राष्ट्रपति ने जलवायु बदलाव पर अपने पहले दूत के रूप में टौड स्टर्न को नियुक्त किया है। दीपांजली काकाती ने इसी अंक में उनका प्रोफाइल प्रस्तुत किया है।

''दौड़ने का आनंद'' में वैदेही अय्यर बता रही हैं कि दौड़ने के प्रति प्रेम भारतीयों और अमेरिकियों, दोनों ही में है। वह अपने जीवन में दौड़ने से आई तब्दीली की गवाह हैं- ऐसी चीज़ जिससे मैं भलीभांति अवगत हूं। जब मौसम अच्छा होता है तो यह फिट रहने और आधुनिक जीवन के तनाव से मुकाबले का बढ़िया तरीका है। किसी दौड़ में भाग लेने से कुछ करने, खुशी और सहभागिता का जो अहसास होता है, वह तेज़ी से फैलता है, इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि आप किस गति से दौड़े या कितनी दूरी तय की। वसंत के दौरान यह अच्छा ''हरित खेल'' है।